प्रेषक.

बी०आस्वटम्टा, अनु सचिव, उत्तरॉचल शासन ।

सेवा में.

अघीक्षण अभियन्ता, लघु सिचाई दृत्त, पौडी।

सिंचाई विभाग,

देहरादून, दिनांक, 2ेमार्च,/2004

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2003-04 के लिए आयोजनागत मद में त्वरित सिंचाई लाभ कार्यों हेतु लघु सिंचाई विभाग को चतुर्थ त्रैमास हेतु धनावंटन ।

महोदय,

उपयुंबत विषयक प्रमुख सचिव विता उत्तरांचल शासन के पत्र सं0-2004/ विठअनु२-:/2003 दिनाक 30.06.2003 के सन्दर्भ एवं शासन के पत्र सं2 06/लो-1-सि0(बजट)/03 दिनाक 17.04.2003 एवं पत्र सं0-06/गी-1-सि0(बजट)/03 दिनाक 30.07.2003, शासनादेश सं0 06/नी-1-सि0(बजट)/2003 दिनांक 22.10.2003 शासनादेश सं0 6313/नी-1-सिं (06 बजट/03) दिनाक 19.12.2003 एवं शासनादेश संव 178/नी-1-सि0 (06 बजट)/03 दिनांक 17.02.2004 एवं आपके पत्र संघ १-क/स0सिंठ/ए०आई०बी०पी०/०३-०४ दिनांक 20.03.2004 के कम में गुझे यह कहने का निर्देश दुआ है जि सत्यनक-1 में उत्तिसीतित विवनानुसार सं0 1061.09 (स्त0 दस करोड़ इक्सट लाख भी हजार मात्र) की उनताशि जिसमें संघ 721.09 लाख कन्द्राश एवं स्व0 340.00 लाख राज्याश की बगराशि समिनित है की स्वीकृति निम्नसिखित शर्ती एवं प्रतिबन्धों के क्यीन की राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं।

- 1- लब्बित धनराशि का य्यप डेवल यालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाए व्यय केवल उन्हीं जिनाओं के अनार्गत किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है, तथा जिन जिनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराति के अन्यन्न वियलन करने की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- जनराशि व्यथ करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिया जाय।
- 3— ज्यत व्यय में वित्तीय हस्त पुक्तिका बजट मैनुअल तथा स्टोर पर्वेण रूल्स, मितव्ययता के पिषय में टालन द्वारा समय—समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्णरूप से पालन किया जाय।
- 4— ्हां आवश्यक हो, कार्य आरम्न करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आउगा जन कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोंबित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया अग्र
- 5— इस घनराशि का आहरण मासिक आवश्यकता के आद्यार पर किया जाय। प्रथम किस्त के द्वारा स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत तक उपयोग करने पर ही द्वितीय किस्त की धनराशि का आहरण किया जायेगा, केन्द्रांश के विपरीत आगामी किस्त केन्द्रांश प्राप्त होने के पश्चात ही अवमुक्त की जायेगी।

- 6- खींकत इनलांत्र के सामन कर एवं उपयोगिता के गम्बन्न में आवश्यक प्रवाण पत्र निर्धारित प्रास्त्य पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथ्य तक महालेखाकार उत्तराचल एवं शासन अर अन्तर भारत सरकार को नी उपलब्ध कराया जायेगा।
- 7- २०आइंबी०पी० की बॉजना के क्रियान्वयन में मारत सरकार द्वारा जारी रवीकृति १४ निर्मत मानक दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय, और अनुमोदित योजनाओं पर औ इस धनराशि का व्यव किया जायेगा।
- १९८अई(जी)(पी) की योजनाओं का क्रियान्तदन सर्व प्रथम लामार्थी समूह का गठन कर उनक अश एकन कर एक निर्धि की स्थापना की जाय जिसम सिचाई की दश का निर्धारण से योजना का रखरखन लामार्थी समूह द्वारा ही सुनिश्चित किया जायेगा जमा होगी। इस धनराणि से योजना का रखरखन लामार्थी समूह द्वारा ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा पूर्ण होने पर योजनाए त्यानीय पहादत अथवा पानी जामीला समूह को इस्तान्तरित कर दी जायेगी। योजनाय लामार्थी की सहमति से फियान्ययन की जायेगी।
- इस सम्बन्ध में हाने वान क्रय चल् विलीय वर्ष 2003-04 के आप व्ययक की अनुदान गरवा-20 के अन्तर्गत लेखा शर्मक 4702-लघु सिंचाई पर पूजीगत परिचय 60-अम्मेजनगण 800 अन्य व्यप-01 केन्द्रीय अवविन्यान्त केन्द्र द्वारा पुरोनियानित वाजनव (75 प्रतिश केन्द्राय महापता) 04-पणित लिखाई लाभ याजना-24 यृहद निर्माण कार्य के अन्तर्गत सुरगत प्राथमिक इक इंग के नाम गाना जावगा।

उक्त आवंश वितर दिनाम के अठसाठ यत्रक 3287/िकन्तु0-3/04 हिमान 23 मार्च २०६ मार्च उनकी सहस्रति संनिमत किये जा रहे हैं। सहस्य-यथीक्त।

महदीय,

(बीठआस्टटन्टा) अनु सचिव।

संख्या- 110 / नौ-1-सिं0(06-बजट / 03) / 2004तद्दिनांक।

मात्राच निम्नतिस्तित का सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हत् प्रापत –

- भग्य प्राथमना एवं विभागात्यक्त सिंचाई विभाग उत्तराचन देहराहर।
- 2- महालखाकार उत्तरम्थल देहरादेने।
- श्री नग्रत्ववन्तं अवश् मधिव वित्तं (बजट) अनुभागः।
- :- नित्री सर्विध संध मुख्य संजी।
- (मार्टी सर्वित मा) सिंचाई मंत्री।
- विल अनुमान 3 चलारीयले सासना
- 7- समस्त काषाधिकारी/जिलाचिकारी, उत्तरांचल ।
- वियान प्रकाट उत्तरावल शासन।
- अधिमाती निरमक, सूनना एवं जनसम्पर्क विभाग उत्तरांचल, देहरादून।
 निर्देशक राष्ट्रीय सूबना केन्द्र, सर्विद्यालय परिसर, देहरादून।
- ११ मार्ड फाईल । सलग-यथीक्त ।

(बी०आर0टम्टा) अन् सचिव।

Control of Control Con

शासनादेश संo 1108/नौ-1-सिंo(06-बजट/03)/04 दिनांक 23 मार्च, 04 का संलग्नक

20/4702-लघु सिंवाई पर पूंजीगत परिव्यय 00- 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनार्ये 75 प्रतिशत केन्द्रीय सहायता 04-त्वरित सिंचाई लाग योजना

24-वृहद निर्माण कार्य

(धनराशि लाख रू० में)

क्र0स0	जनपद का नाम	आवंटन हेतु प्रस्तावित		
		केन्द्रांश	राज्यांश	कुल धनराशि
1	देहरादून	63.3275	42.6725	106,00
2	टिहरी	35.7250	39.2750	75.00
3	उत्तरकाशी	54,1100	25.8900	80.00
4	पौडी	163,4325	54.4775	217.91
5	रुद्रप्रयाग	39.7050	13.2350	52.94
6	चमोली	152.4300	50.8100	203.24
7	हरिद्वार	12.2000	4.8000	17.00
8	गै नीताल	42,1500	17.8500	60.00
9	अल्पोडा	46,8175	23.1825	70.00
10	पिथीरागढ	19,4700	17,0300	36.50
11	वागेश्वर	32.6675	17.3325	50.00
12	चम्पावत	37,9000	20.6000	58.50
13	ऊधमसिंह नगर	21,1550	12.8450	34.00
	योग	721.0900	340,0000	1061.09

(रूपये दस करोड़ इक्सठ लाख नौ हजार मात्र)

(बी0आर0टम्टा) अनु सचिव।

